

कुशल संगठनकर्ता थे पूर्व मुख्यमंत्री जोशी उनके किए कार्य हमारे लिए आदर्श : मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में स्व. जोशी के चित्र पर की पुष्पांजलि अर्पित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. कैलाश जोशी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि श्री जोशी कुशल संगठनकर्ता और समाजसेवी थे, स्व. श्री जोशी उन्होंने 1962 में बागली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की। ने पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलता से निर्वहन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. कैलाश जोशी का जीवन सादगी, शुचिता, जनसेवा और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति उनका अमूल्य योगदान सदैव प्रेरणादायी और स्मरणीय रहेगा। राज्य सरकार उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्षों की जयंती एवं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम की पहल सराहनीय है। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. जोशी के पुत्र एवं पूर्व मंत्री श्री दीपक जोशी सहित परिजन उपस्थित थे।



● विधानसभा सचिवालय में एक दशक बाद 182 अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, विस अध्यक्ष श्री तोमर का किया गया सम्मान- मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय में लगभग एक दशक के लंबे अंतराल के बाद विभिन्न संवर्गों के, प्रथम श्रेणी 15, द्वितीय श्रेणी 40, तृतीय श्रेणी 93 एवं चतुर्थ श्रेणी के 34 कुल 182 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए उनका पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि माननीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी के अथक प्रयासों, सकारात्मक पहल एवं मार्गदर्शन से वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण हो सकी, जिससे कर्मचारियों में नया उत्साह एवं कार्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संपर्क अभियान 2026 को मिली बड़ी सफलता

3355 शिविरों में 1 लाख 47 हजार 633
शिकायतों का मौके पर निराकरण

भोपाल/ग्वालियर। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 3355 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1 लाख 47 हजार 633 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।

भोपाल रीजन के वृत्तों में लगे शिविर

भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 249 शिविरों में 16,010 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल वृत्त में 296 शिविरों में 15,741 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 159 शिविरों में 4,876 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 89 शिविरों में 13,671 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 250 शिविरों में 20,966 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 171 शिविरों में 11,739 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 239 शिविरों में 3,163 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 229 शिविरों में 5,446 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 119 शिविरों में 7,102 शिकायतों का निराकरण किया गया। ग्वालियर रीजन के वृत्तों में लगे शिविर- ग्वालियर रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त ग्वालियर में 199 शिविरों में 4,023 शिकायतों का निराकरण किया गया। अशोकनगर वृत्त में 99 शिविरों में 9,014 शिकायतों का निराकरण, भिंड वृत्त में 190 शिविरों में 4,042 शिकायतों का निराकरण, दतिया वृत्त में 117 शिविरों में 5,741 शिकायतों का निराकरण, गुना वृत्त में 171 शिविरों में 6,082 शिकायतों का निराकरण, ग्वालियर (ओ एंड एम) वृत्त में 168 शिविरों में 3,144 शिकायतों का निराकरण, मुरैना वृत्त में 259 शिविरों में 7,850 शिकायतों का निराकरण, श्योपुर वृत्त में 126 शिविरों में 3,990 शिकायतों का निराकरण तथा शिवपुरी वृत्त में 225 शिविरों में 5,033 शिकायतों का निराकरण किया गया।

नेतृत्व पद से नहीं, व्यक्तित्व से प्रभावशाली बनता है : बीके नीता दीदी

जनसेवा में आध्यात्मिकता का समावेश ही सुशासन की पहचान : बीके आराधना

नगर निगम महापौर एवं पार्षदों का ब्रह्माकुमारीज़ में सम्मान, राजयोग से प्रभावी नेतृत्व का संदेश

भोपाल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सुख-शांति भवन, नीलबड़ में नगर निगम महापौर श्रीमती मालती राय एवं नगर निगम के समस्त पार्षदों के सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ उन्हें आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित तनावमुक्त, प्रभावी एवं जनकल्याणकारी नेतृत्व का संदेश देना था।

कार्यक्रम में विशेष रूप से महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पूर्व अपर कलेक्टर श्री जी.पी. मोदी, ज्योतिषाचार्या पूनम जी, ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल की संचालिका राजयोगिनी बीके नीता दीदी, राजयोगिनी बीके आराधना दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके राम कुमार भाई जी, बीके नारायण भाई, बीके पूनम बहन, बीके हेमा बहन, बीके आशीष भाई एवं बड़ी संख्या में नगर निगम के पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बीके आशीष भाई द्वारा सभी अतिथियों के आत्मीय एवं प्रेरणादायी शब्दों से स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि समाज की आशाओं और विश्वास के प्रतीक हैं तथा आध्यात्मिक मूल्यों से युक्त नेतृत्व ही सशक्त एवं संवेदनशील समाज का निर्माण कर सकता है। इसके पश्चात बीके पूनम बहन ने विभिन्न प्रेरणादायी गतिविधियों (इंटरैक्टिव एक्टिविटीज़) के माध्यम से



उपस्थित जनप्रतिनिधियों को सकारात्मक सोच, टीम भावना, विश्वास, सहयोग एवं आत्मचिंतन का अनुभव कराया। इन रोचक गतिविधियों ने न केवल सभी को आनंदित किया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि जीवन और सेवा में सफलता के लिए मानसिक संतुलन, आपसी सामंजस्य और सकारात्मक दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है।

इसके पश्चात वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके राम भाई जी ने तनावमुक्त जीवन से प्रभावी सेवा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अधिकांश तनाव

का मूल कारण अपनी वास्तविक पहचान को भूल जाना है। हम स्वयं को शरीर, पद और परिस्थितियों से जोड़ लेते हैं, जबकि हमारी वास्तविक पहचान शांति, प्रेम और आनंद स्वरूप आत्मा की है। आत्मा के तीन प्रमुख उपकरण मन, बुद्धि और संस्कार हैं। मन में सकारात्मक विचार, बुद्धि में सही निर्णय और श्रेष्ठ संस्कार ही तनावमुक्त एवं सफल जीवन का आधार हैं।

उन्होंने कहा कि तनाव का प्रभाव केवल मन पर ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संबंधों और निर्णय क्षमता पर भी पड़ता है।

फर्नीचर शोरूम-गोदाम में भीषण आग

सोफा, बेड-अलमारी से
भरे थे, 5 घंटे में काबू पाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हमीदिया रोड स्थित एक फर्नीचर शोरूम और गोदाम में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। इससे सोफा, बेड-अलमारी समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग सुबह साढ़े 5 बजे लगी, जो 10:20 बजे काबू में आ पाई। इस तरह करीब 5 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

फतेहगढ़, बोगदा पुल, कबाड़खाना, बैरागढ़ और गांधीनगर से दमकलें मौके पर पहुंचीं। फायर फाइटर नौशाद अली ने बताया कि दमकल और टैंकों के जरिए आग काबू में की गई।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में इको क्लब दिवस का आयोजन हुआ

दिलीप पाटीदार

धार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में प्राचार्य डॉ. एस.एस. बघेल, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आयशा खान तथा नोडल अधिकारी डॉ. हेमसिंह मंडलोई के निर्देशन में बुधवार को इको क्लब दिवस मनाया गया।

जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को सेल्फी प्वाइंट लगाकर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया एवं डॉ. आयशा खान द्वारा विद्यार्थियों एवं स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई गई। इको क्लब के द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं रैली में पर्यावरण संरक्षण संबंधित नारे भी विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित



करते हुए बताया कि हमें पर्यावरण हितैषी जीवनशैली का उपयोग करना चाहिए, हम सभी अपने पर्यावरण की रक्षा का संकल्प ले, पेड़ लगाए, जल बचाएं, प्लास्टिक का कम उपयोग करें और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें। इको क्लब दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में "एक पेड़ मां के नाम अभियान" के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया जिसमें विशेष कर त्रिवेणी, फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर इको क्लब प्रभारी डॉ. मीनाक्षी रावल, एन एस एस अधिकारी डॉ. रमेश जमरा, डॉ. प्रभा सोनी, डॉ. आरती बौरासी, डॉ. एन. एस. सोलंकी, डॉ. केशरसिंह चौहान डॉ. कमल अलावा, डॉ. मीरा जामोद, डॉ. अभय वर्मा, डॉ. सुरेश रावल, डॉ. राकेश सिसोदिया, डॉ. नरेंद्र सिंह चौहान, डॉ. रविंद्र टांक, डॉ. विनीता डावर, डॉ. कपिला चौहान, डॉ. सुप्रिया मेड़ा, प्रा. देवश्री पंवार एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज के विक्रम सभागार से गूंजा नशामुक्ति का संकल्प, धार में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का शुभारंभ



दिलीप पाटीदार

जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने किया शुभारंभ, बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर दिया जन-जागरूकता का संदेश।



धार। युवाओं को नशे की लत से दूर रखने और नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से जिले में बुधवार को 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का शुभारंभ जिला मुख्यालय स्थित पीजी कॉलेज के विक्रम सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, कलेक्टर राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा रहे। कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। शहर के प्रमुख मार्गों से निकली इस रैली ने नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया और लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनका सही मार्गदर्शन समाज को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सामाजिक विकास के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। तथा कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाएं।

नशा परिवार और समाज के लिए घातक: एसपी

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा

की। उन्होंने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह आपराधिक प्रवृत्तियों को भी जन्म देता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहें, बल्कि अपने आसपास के साथियों को भी इसके प्रति सचेत करें। एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए व्यापक जन-भागीदारी आवश्यक है।

बाइक रैली के माध्यम से दिया संदेश

कार्यक्रम के पश्चात एनसीसी कैडेट्स द्वारा निकाली गई बाइक रैली और जन-जागरूकता प्रचार वाहन को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर पीजी कॉलेज परिसर से रवाना किया। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ एनसीसी कैडेट्स ने नारे लगाकर और आमजन को पम्फलेट्स वितरित कर "नशा छोड़ो, जीवन अपनाओ" का संदेश दिया। इस दौरान शहर के नागरिकों ने भी रैली का स्वागत किया।

शपथ के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम

समारोह का समापन सामूहिक शपथ के साथ हुआ। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने सभी उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल के जवानों, एनसीसी कैडेट्स और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहेंगे, बल्कि समाज को इस बुराई से मुक्त करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, पीजी कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गर्भवती महिला से मारपीट का आरोप रास्ते में हुआ प्रसव, नवजात बच्ची मृत पैदा हुई

अतुल जैन

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर हमला करने का आरोप, पेट में लात-धूसे मारने से बिगड़ी हालत; पुलिस ने दर्ज किया मामला, मेडिकल रिपोर्ट और जांच के बाद होगी आगे की कार्रवाई

खनियांधाना। बामौरकला थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगा से एक बेहद दर्दनाक और संवेदनशील मामला सामने आया है। गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक गर्भवती महिला के साथ कथित रूप से घर में घुसकर मारपीट किए जाने का आरोप लगा है। परिजनों का कहना है कि मारपीट के दौरान महिला के पेट में भी लात-धूसे मारे गए, जिससे उसकी तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद जब उसे पिछोर अस्पताल रेफर किया गया, तो रास्ते में ही प्रसव हो गया, लेकिन नवजात बच्ची मृत अवस्था में पैदा हुई। इस घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। बामौरकला थाना पुलिस के अनुसार ग्राम डोंगा निवासी वीरपाल यादव (40 वर्ष) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 13 जुलाई की शाम करीब 6 बजे वह अपनी भैंसों की तलाश में गांव के पठार की ओर गया हुआ था। उस समय घर पर उसकी पत्नी नंदकुंवर बाई यादव (35 वर्ष), जो गर्भवती थीं, और उनकी बेटियां मौजूद थीं।

वीरपाल यादव के अनुसार जब वह रात करीब 10 बजे घर लौटा, तब उसकी बेटी मनीषा यादव ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे गांव के अंकेश यादव एवं गोलू यादव, दोनों पुत्र कृष्णभान यादव, उनके घर आए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जब नंदकुंवर बाई ने दोनों आरोपियों को गाली-गलौज करने से रोका और विरोध किया, तो दोनों ने उसके साथ लात-धूसों से मारपीट शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि मारपीट के दौरान महिला के पेट पर भी कई बार किए गए, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

परिवार का यह भी आरोप है कि घटना के बाद दोनों आरोपी जाते-जाते धमकी देकर गए कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो पूरे परिवार को जान से खत्म कर देंगे मारपीट के बाद गर्भवती



महिला की तबीयत लगातार बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल उसे सरकारी अस्पताल खनियांधाना लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पिछोर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार जब महिला को एंबुलेंस/वाहन से पिछोर अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसे तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही वाहन में उसका प्रसव हो गया। परिवार का कहना है कि जन्म लेते ही बच्ची मृत अवस्था में थी। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और पूरे गांव में शोक का माहौल बन गया। वर्तमान में नंदकुंवर बाई का उपचार पिछोर अस्पताल में जारी है और चिकित्सक उनकी निगरानी कर रहे हैं। घटना के बाद वीरपाल यादव मृत नवजात बच्ची के शव को लेकर बामौरकला थाने पहुंचा और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

(पुलिस बोली- जांच के बाद स्पष्ट होगा मृत्यु का कारण) बामौरकला थाना पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। नवजात बच्ची की मृत्यु का वास्तविक कारण चिकित्सकीय परीक्षण, मेडिकल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम (यदि कराया जाता है) तथा अन्य वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए सभी तथ्यों और साक्ष्यों का परीक्षण कर रही है। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि मारपीट के कारण गर्भवती महिला और नवजात की मृत्यु के बीच सीधा संबंध है, तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में संबंधित धाराओं के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पांच महीने से डिपो में कैद 'हरी बसें'

आधुनिक और प्रदूषण-मुक्त सार्वजनिक परिवहन देने के उद्देश्य से भेजी गई प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। केंद्र सरकार से संचालन के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता और बजट स्वीकृति में देरी के कारण करीब पांच महीने पहले पहुंची 40 इलेक्ट्रिक बसों में से 30 अब भी डिपो में खड़ी हैं, जबकि केवल 10 बसों का सीमित संचालन हो रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से खरीदी गई इन बसों के लंबे समय तक उपयोग में नहीं आने से परियोजना की गति पर सवाल उठ रहे हैं।

जिला आबकारी विभाग, इंदौर

कलेक्टर महोदय श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में अवैध मदिरा के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न टीमों द्वारा इंदौर जिले में भिन्न भिन्न स्थानों पे चेक पॉइंट बनाये गए है। दिनांक 15.07.2026 को वृत्त महु अ प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक द्वारा कार्यवाही की गई। चेकिंग के दौरान शंका के महु इंदौर की एक दोपहिया मोटरसाइकिल Mp 09 NJ2320 की तलाशी ली गई। मदिरा एवं दोपहिया वाहन को आबकारी विभाग जप्त किया गया आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा



34(1) (क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया। जिला आबकारी विभाग, इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नेशनल इंटरनेशनल फैशन वीक सीजन 3.0 के ऑडिशन में युवाओं ने दिखाया हुनर



राजेश धाकड़

इंदौर के सेंट्रल मॉल में नेशनल इंटरनेशनल फैशन वीक सीजन 3.0 के ऑडिशन का सफल आयोजन शुभ प्रोडक्शन द्वारा किया गया। इस ऑडिशन में लगभग 60 से 70 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। शुभ प्रोडक्शन की डायरेक्टर रिमझिम राय ने बताया कि इस फैशन वीक का उद्देश्य केवल नए मॉडल्स को मंच देना नहीं, बल्कि युवाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और भारतीय संस्कृति को भी प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि यह मंच नए टैलेंट को फैशन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है।

ऑडिशन में प्रतिभागियों के रैंप वॉक, कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन स्किल्स और स्टेज प्रेजेंस के आधार पर उनका चयन किया गया। कार्यक्रम में कुणाल पंचोली, साक्षी सुंदरानी और विक्की वाधवानी ने ज्यूरी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। शुभ प्रोडक्शन के संस्थापक शुभम पटेल ने बताया कि नेशनल इंटरनेशनल फैशन वीक सीजन 3.0 का भव्य ग्रैंड फिनाले सितंबर माह के मध्य में आयोजित किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को ग्रूमिंग सेशन के माध्यम से तैयार किया जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर के मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह आयोजन फैशन, भारतीय संस्कृति और उभरती प्रतिभाओं को एक साथ जोड़ने का सफल प्रयास रहा, जिसने युवाओं को अपने सपनों की ओर आगे बढ़ने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया।

“नशे से दूरी है जरूरी 2.0” जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प



“नशे से दूरी है जरूरी 2.0” जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत इंदौर आबकारी विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी किड्स हायर सेकेंडरी स्कूल, निपानिया में विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक एवं संवादात्मक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री देवेश चतुर्वेदी (कंट्रोलर), श्री ए. के. माथुर, श्री राघवेंद्र सिंह कुशवाहा, श्रीमती आकांक्षा गर्ग, आबकारी उपनिरीक्षक श्री आकाश मेश्राम तथा श्रीमती वैशाली भगत उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री ए. के.

माथुर सर का विद्यार्थियों के साथ हुआ जीवंत संवाद रहा।

उन्होंने सरल एवं प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, उससे होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए नशे से दूर रहने के महत्व को समझाया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ प्रश्न पूछे और अपने विचार साझा किए, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सहभागितापूर्ण एवं प्रेरक बन गया। इस अवसर पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री देवेश चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों

द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हुए नशे से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों का निराकरण किया तथा युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अधिकारियों, विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में नशामुक्त जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा समाज में जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

नशा मुक्त अभियान के तहत आबकारी इन्दौर की कार्यवाही

कलेक्टर महोदय जिला-इन्दौर, श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा *कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में वृत्त महु ब प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी पवन टिकेकर एवं टीम के द्वारा दिनांक-15/07/2026 को दौरान गश्त शंका के आधार पर महु पीथमपुर रोड पर बिना नंबर का दो पहिया वाहन हीरो स्प्लेंडर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 50 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद किया गया, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी, उक्त मदिरा तथा वाहन विधिवत् जप्त कर कब्जे आबकारी लिया जाकर आरोपी हरिओम पिता



पुरुषोत्तम रजक निवासी पीथमपुर के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य =13500/- रुपये है। कार्यवाही में मुख्य आरक्षक ओमप्रकाश राठौर, मुख्य आरक्षक हेमवती धुर्वे का सराहनीय योगदान रहा।

सहजयोग: बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुसंस्कृत परिवार का सहज मार्ग

परम पूज्य सहजयोग प्रवर्तिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने सदैव इस बात पर बल दिया कि एक आदर्श समाज का निर्माण सुसंस्कृत परिवारों से होता है और सुसंस्कृत परिवारों की नींव बच्चों के आध्यात्मिक एवं नैतिक विकास पर आधारित होती है। सहजयोग के अनुसार, बचपन से ही बच्चों को परमात्मा के प्रति श्रद्धा, धर्म के नियमों का पालन, बड़ों का सम्मान, सत्य, प्रेम, करुणा और नैतिक मूल्यों का अभ्यास सिखाया जाना चाहिए।

घर का वातावरण प्रेम, सौहार्द, अनुशासन और ईश्वरीय चेतना से परिपूर्ण हो, जहाँ दिन की शुरुआत

परमात्मा को नमन से हो, परिवार के सदस्य एक-दूसरे के प्रति सम्मान और स्नेह का व्यवहार करें तथा नियमित पूजा, आरती और सहजयोग ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो।

ऐसा वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास, संतुलन, विनम्रता, विवेक और आत्मिक जागरूकता का सहज विकास करता है। श्री माताजी ने बताया कि सहजयोग ध्यान आत्मसाक्षात्कार का सहज एवं निःशुल्क मार्ग है, जिसके माध्यम



से मनुष्य अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति का अनुभव करता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात बच्चों और युवाओं में एकाग्रता, मानसिक शांति, सकारात्मक सोच, नैतिक दृढ़ता तथा संस्कारित जीवन मूल्यों का स्वाभाविक विकास होने लगता है। जब परिवार के सभी सदस्य सहजयोग का नियमित अभ्यास करते हैं, तब घर में प्रेम, आनंद, आपसी विश्वास और आध्यात्मिक उन्नति का वातावरण विकसित होता

है, जो केवल परिवार ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनता है। सहजयोग का संदेश है कि प्रत्येक बालक अपने भीतर दिव्यता का बीज लेकर जन्म लेता है; आवश्यकता केवल उस दिव्यता को जागृत करने की है, ताकि वह एक जिम्मेदार, संवेदनशील, धर्मनिष्ठ और विश्वकल्याण की भावना से प्रेरित नागरिक बन सके। सहजयोग ध्यान का निःशुल्क अनुभव प्राप्त करने तथा अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

इलाज के दौरान 14 वर्षीय बालिका की मौत पर परिजनों ने लगाया डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

नवल किशोर

कटनी। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान 14 वर्षीय स्नेहा शुक्ला (पिता- आदित्य कुमार शुक्ला), निवासी जागृति कॉलोनी, माधवनगर की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में पदस्थ डॉक्टरों एवं स्टाफ की कथित लापरवाही के कारण उनकी बेटी की जान गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन और बजरंग दल के कार्यकर्ता ने जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर हंगामा करने लगे और। सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए “मुर्दाबाद” के नारे लगाए और दोषी डॉक्टरों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए कटनी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था



संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले में आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। खबर लिखे जाने तक मामले की जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ था।

शासकीय विद्यालयों में मरम्मत एवं संधारण कार्यों का महापौर श्रीमती सूरि ने लिया जायजा, गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

नवल किशोर

कटनी। नगर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु के दौरान सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर मरम्मत एवं संधारण कार्य कराए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों की प्रगति का जायजा लेने महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरि ने मंगलवार 14 जुलाई को एमआईसी सदस्यों एवं नगर निगम अधिकारियों के साथ विभिन्न शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती सूरि ने शासकीय एनकेजे स्कूल, केरिन लाइन शासकीय स्कूल, साधुराम उच्चतर माध्यमिक शाला तथा के.सी. एस. कन्या शाला पहुंचकर मरम्मत कार्यों

का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालयों की छत, भवन, शौचालय एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरि ने विद्यालयों में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं चल रहे मरम्मत कार्यों के संबंध में जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने माता-पिता,

विद्यालय और शहर का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है।

उन्होंने शिक्षकों से ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत शाला परिसर में अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय हरियाली बढ़ाने का संकल्प लेकर पौधरोपण करे तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण की भी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों से भी पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर प्रकृति को सुरक्षित एवं समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

लघु उद्यमिता विकास एवं स्व सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज की 2026-27 प्रगति की सुश्री कौर ने माइक्रो लेवल पर की समीक्षा, “ट्रांसपेरेंसी” के साथ दायित्वों का निर्वहन करने दिए निर्देश

नवल किशोर

“सार्थक ऐप” पर उपस्थिति निर्धारित स्थल एवं समय पर कराएं दर्ज - जिला पंचायत सीईओ

कटनी। मिशन कर्मी शासन के निर्देशानुसार निर्धारित स्थल एवं समय पर “सार्थक ऐप” पर उपस्थिति दर्ज कराएं। मैदानी स्तर पर कर्तव्य एवं दायित्वों का निर्वहन पूरी ट्रांसपेरेंसी के साथ करें। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियां हासिल करने के लिए एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर संवाद करते रहें। सार्थक ऐप का उपयोग नहीं करने पर जिला या राज्य स्तर से कार्यवाही कभी भी संभव है इसके लिए तैयार रहें। इस आशय के निर्देश मंगलवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित लघु उद्यमिता विकास एवं स्व सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज



के संबंध में वर्ष 2026-27 में प्रगति हेतु आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

के समस्त विकासखंड प्रबंधक एवं सहायक विकास खंड प्रबंधक एवं अन्य मिशन कर्मियों को दिए। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी

एवं परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम श्री अनुराग मोदी मौजूद रहे। उन्होंने (एनआरएलएम) के मिशनकर्मियों की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध जिले की समग्र प्रगति की बिंदुवार माइक्रो लेवल पर समीक्षा की तथा आगामी कार्ययोजना को लेकर ब्लॉकों के प्रभारी अधिकारियों को स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिये। नगद साख सीमा (सीसीएल) प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश-समीक्षा करते हुए सुश्री कौर ने निर्देशित किया कि स्वसहायता समूहों से संबंधित नगद साख सीमा (कैश क्रेडिट लिमिट) के समस्त लंबित प्रकरण निर्धारित समयावधि के भीतर संबंधित बैंक शाखाओं में प्रस्तुत किये जायें, जिससे समूहों को वित्तीय संस्थाओं से समय पर ऋण सुविधा प्राप्त हो सके और आजीविका गतिविधियां बाधित

न हों। इस कार्य में विलंब को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मिशनकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह ठहराया जायेगा।

31 जुलाई तक डिजिटल आजीविका रजिस्टर में लखपति दीदी की प्रविष्टियां अनिवार्य-जिला पंचायत सीईओ ने लखपति दीदी योजनांतर्गत पात्र हितग्राही महिलाओं की प्रविष्टि डिजिटल आजीविका रजिस्टर (डीएआर पोर्टल) में 31 जुलाई 2026 के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित न होने की स्थिति में संबंधित ब्लॉक प्रबंधकों एवं सहायक ब्लॉक प्रबंधकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0" (say no to drugs) अभियान के तहत किया जा रहा है रील/शॉर्ट मूवी प्रतियोगिता का आयोजन

इंदौर। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस के “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 15 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक रील/शॉर्ट मूवी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी, युवा व नागरिकगण 1 से 3 मिनट की प्रभावी रील अथवा शॉर्ट फिल्म बनाकर नशा मुक्ति का संदेश देंगे। इस पहल का उद्देश्य युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से समाज में नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता का व्यापक प्रसार करना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को इंदौर पुलिस द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही चयनित प्रविष्टियों को इंदौर पुलिस के आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किया जाएगा। इंदौर पुलिस सभी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर इस जन-जागरूकता अभियान को सफल बनाने तथा “नशे से दूरी है जरूरी” का संदेश जन-जन तक पहुँचाने की अपील करती है।



कौशल का उद्देश्य हो मानव सेवा और राष्ट्र निर्माण-जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

विश्व युवा कौशल दिवस और राष्ट्रीय दान दिवस के अवसर पर 100 दिनों तक निःशुल्क पेयजल सेवा संचालित करने पर वैश्य समाज का हुआ सम्मान

देपालपुर - विश्व युवा कौशल दिवस एवं राष्ट्रीय दान दिवस के अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में तहसील विधिक सेवा समिति, देपालपुर के तत्वावधान में विश्व जल संरक्षण दिवस से नशा उन्मूलन दिवस तक लगातार 100 दिनों तक निःशुल्क शीतल आर.ओ. पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वैश्य समाज महासम्मेलन का सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि कौशल तभी सार्थक है, जब वह मानवता की सेवा, समाज के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में समर्पित हो। उन्होंने कहा कि प्यासे को शीतल जल उपलब्ध कराना करुणामयी जीवन और भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च मानवीय मूल्यों का सम्मान है। अपने प्रेरक उद्बोधन में जिला न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि सेवा, संवेदना और समर्पण ही



किसी भी समाज की वास्तविक पहचान होते हैं। उन्होंने वैश्य समाज महासम्मेलन की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए अपने प्रेरक दोहों के माध्यम से इसे जनसेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और लोककल्याण का अनुकरणीय अभियान बताया। उन्होंने कहा कि बिना किसी अपेक्षा के किया गया परोपकार ही सच्चा दान है।

जिला न्यायाधीश श्री खान ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने कौशल को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा जैसे रचनात्मक अभियानों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज ने अपने सेवा अभियान से यह साबित कर

दिया है कि संगठित समाज यदि जनहित का संकल्प ले, तो वह अनगिनत लोगों के जीवन में राहत, विश्वास और प्रेरणा का संचार कर सकता है। ऐसी पहल केवल समाज की ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की भी अमूल्य धरोहर हैं। उक्त अवसर पर वैश्य समाज जल वितरण व्यवस्था समिति के मनोज अग्रवाल युवा जिला प्रभारी, राज जैन तहसील अध्यक्ष, प्रवीण जैन नगर अध्यक्ष, जेपी नागर, पीयूष विजयवर्गी, सौरभ छाबड़ा, पवन विजयवर्गी, हेमंत नागर, मनोज सरकार, सतीश मंडोवरा, कल्लू जैन, शिवम सोनी, प्रयास जैन, नमन जैन, धर्मेन्द्र, रिनी मोदी, अंकुश जैन सहित वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर. पटेल, दिलीप वर्मा, सुधांशु सोलंकी कृष्णा जाधव, विश्वजीत यादव, नितेश सोलंकी, नायब नाजिर दिलीप यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित अधिवक्ताओं एवं समाजसेवियों ने भी इस 100 दिवसीय जनसेवा अभियान की सराहना करते हुए इसे मानवता, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रेरक उदाहरण बताया।

इंदौर पुलिस ने जनजागरूकता रैली के साथ किया “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान का शुभारंभ

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने अवेयरनेस बैज लगाकर एवं जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर की, अभियान की शुरुआत।

रैली का विशेष आकर्षण रहा जागरूकता संदेश देता रोबोट, जिसने सबसे आगे चलकर नागरिकों को दिया नशामुक्त समाज का संदेश।

लगभग 2500 विद्यार्थियों, NCC कैडेट्स, ट्रैफिक मित्रों, नगर सुरक्षा समिति, डॉक्टर्स एवं नागरिकों ने रैली में लिया उत्साहपूर्वक भाग।

सभी को दिलाई नशामुक्ति की शपथ- “स्वयं भी नशे से रहेंगे दूर और दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए करेंगे प्रेरित।”

15 से 30 जुलाई तक नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद, पोस्टर, विभिन्न प्रतियोगिताओं, सोशल मीडिया, शॉर्ट फिल्म एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान।

इंदौर। युवाओं एवं समाज को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक “नशे से दूरी



है जरूरी 2.0” विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में भव्य जनजागरूकता रैली निकालकर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा स्वयं तथा उपस्थित अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों, NCC कैडेट्स, विद्यार्थियों, चिकित्सकों एवं नागरिकों को “नशे से दूरी है जरूरी” अभियान के अवेयरनेस बैज लगाकर की गई। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के लिए बनाए गए सेल्फी पॉइंट का भी लोकार्पण किया तथा स्वयं सेल्फी लेकर नागरिकों से इस जनआंदोलन से जुड़ने का संदेश दिया। युवाओं को नशे से बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : पुलिस कमिश्नर अपने संबोधन में पुलिस आयुक्त श्री

संतोष कुमार सिंह ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से किशोरों एवं युवाओं को अवैध मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, भविष्य और पूरे समाज को प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने आसपास के लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करे।

15 दिनों तक चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस द्वारा विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से आगामी 30 जुलाई तक शहरभर में अनेक जनजागरूकता गतिविधियाँ

आयोजित की जाएंगी। इनमें प्रमुख रूप से

नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

•पोस्टर, बैनर एवं पंपलेट वितरण
•निबंध, चित्रकला, रील /शॉर्ट मूवी एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएँ

•सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जागरूकता अभियान

•वीडियो स्क्रीनिंग एवं जनसंवाद

•शॉर्ट फिल्म एवं प्रेरक संदेशों का प्रसारण

आदि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों एवं उससे बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

2500 से अधिक लोगों ने ली नशामुक्ति की शपथ- इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, NCC कैडेट्स, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों, ट्रैफिक मित्रों, ट्रेनी डॉक्टर्स, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं नागरिकों सहित लगभग 2500 प्रतिभागियों ने अभियान में सहभागिता की। पुलिस कमिश्नर ने सभी उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई तथा जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख मार्गों से निकली जनजागरूकता रैली- यह रैली पुलिस आयुक्त कार्यालय, पलासिया से प्रारंभ होकर गिटार तिराहा, पलासिया चौराहा,

घंटाघर चौराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए 56 दुकान पर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशा विरोधी संदेशों से युक्त तख्तियाँ, बैनर एवं पंपलेट्स के माध्यम से नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूक किया।

रोबोट बना आकर्षण का केंद्र, दिया नशामुक्ति का संदेश-रैली का सबसे विशेष आकर्षण एक रोबोट रहा, जिसने सबसे आगे चलते हुए नागरिकों को “नशे से दूरी है जरूरी” का संदेश दिया। रोबोट के माध्यम से दिया गया यह अभिनव जनजागरूकता संदेश लोगों के आकर्षण का केंद्र बना और बड़ी संख्या में नागरिकों ने इसके साथ संवाद एवं सेल्फी लेकर अभियान का समर्थन किया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (क्राइम/ट्रैफिक) श्री राजेश त्रिपाठी, पुलिस उपायुक्त (जोन-02/मुख्यालय) श्री अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) श्री अमरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) श्री राजेश दण्डोटिया, अन्य पुलिस अधिकारीगण, नगर सुरक्षा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, NCC कैडेट्स, ट्रैफिक प्रहरी, ट्रेनी डॉक्टर्स, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इंदौर भाजपा की मासिक बैठक संपन्न हुई.

बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई



इंदौर--जिला भाजपा की मासिक बैठक सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, आगामी संगठनात्मक

कार्यक्रमों की तैयारी तथा पार्टी के विभिन्न अभियानों की समीक्षा की गई. बैठक को सांसद शंकर लालवानी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत बूथ संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है. उन्होंने सभी

मंडलों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने और आम लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए. बैठक को विधायक मधु वर्मा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, देवराज सिंह परिहार, पूर्व जिला चिट्ठू वर्मा, धार के प्रभारी राधेश्याम यादव ने संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर जोर दिया. बैठक का संचालन कार्यालय मंत्री मुकेश जरिया ने किया. बैठक में भाजपा जिला महामंत्री अन्तर दयाल, पूंजालाला नीनामा, जिला उपाध्यक्ष भारत सिंह चिमली, कंचन सिंह चौहान, सुरेश सिंह धनखेड़ी, जिला मंत्री अश्विन पटेल, मीडिया प्रभारी जेपी नागर, राजेश शर्मा सहित जिले एवं मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जय जय जगन्नाथ के जय घोष गुंजा कटनी रथ यात्रा महोत्सव के पूर्व संध्या में निकाली भव्य वाहन रैली

नवल किशोर

कटनी। जय जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के पावन अवसर पर बुधवार को शहर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। महाप्रभु जगन्नाथ की विशाल वाहन रैली जगन्नाथ मंदिर परिसर से भव्य रूप से प्रारंभ हुई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान



जगन्नाथ के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। रैली के शुभारंभ के साथ ही पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयकारों से गुंज उठा। सजे-धजे वाहनों, धार्मिक ध्वजों और भक्ति गीतों के बीच निकली इस भव्य शोभायात्रा में महिलाएं, बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ भगवान जगन्नाथ के जयकारे लगाते हुए

रैली में आगे बढ़ रहे थे। वाहन रैली के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं, वहीं बच्चों में भी धार्मिक आयोजन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर महाप्रभु जगन्नाथ के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति व्यक्त की। रैली के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया।

लोगों ने पुष्पवर्षा कर महाप्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे शहर में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि जय जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। महाप्रभु जगन्नाथ की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए इस धार्मिक आयोजन को सफल

कुठला मंडी रोड पर सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी से कृषि यंत्रचोरी, CCTV खंगाल रही पुलिस

कटनी। शहर में शांति वाहन चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब वे व्यस्त रास्तों पर स्थित शोरूम और एजेंसियों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला कुठला थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पहचान गल्ला मंडी रोड स्थित खेर माई मंदिर के सामने 'गुप्ता कृषि यंत्र' से चोरों ने देर रात एक सोनालिका ट्रैक्टर पार कर दिया।

रात 11:30 बजे की वारदात जानकारी के अनुसार, यह सनसनीखेज चोरी 14 जुलाई 2026 की रात लगभग 11:30 से 11:45



बजे के बीच हुई। अज्ञात चोरों ने इतनी चालाकी और खामोशी से वारदात को अंजाम दिया कि आस-पास किसी को भनक तक नहीं लगी। चोरी की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी (CCTV)

कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों के रूट और पहचान का सुराग लगा रही है मुख्य मार्ग पर स्थित कृषि यंत्र की दुकान से ट्रैक्टर जैसी बड़ी गाड़ी चोरी होने की खबर से क्षेत्र के व्यापारियों और नागरिकों में हड़कंप मच गया है। घटना के बाद वाहन मालिक ने तुरंत कुठला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा दावों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गल्ला मंडी रोड जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर यदि पुलिस की प्रभावी गश्त होती, तो चोर इतने बड़े वाहन को इतनी आसानी से लेकर रफूचककर नहीं हो पाते। कुठला थाना पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और संदिग्धों की तलाश के लिए पुलिस टीमें एक्टिव कर दी गई हैं। आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि

कुठला पुलिस इस चुनौती को स्वीकार कर कितनी जल्दी इस शांति गैंग का पर्दाफाश करती है और चोरी गया सोनालिका ट्रैक्टर बरामद कर आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजती है।

प्रदेशव्यापी आंदोलन के समर्थन में खनियाधाना के पटवारी तीन दिवसीय आकस्मिक अवकाश पर, 15 से 19 जुलाई तक राजस्व कार्य रहेंगे प्रभावित

खनियाधाना। मध्य प्रदेश पटवारी संघ द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर घोषित प्रदेशव्यापी आंदोलन का असर अब खनियाधाना तहसील में भी दिखाई देने लगा है।

प्रदेश संगठन के आह्वान पर तहसील खनियाधाना के समस्त पटवारियों ने 15 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय आकस्मिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है। इस संबंध में तहसील पटवारी संघ ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर पूर्व सूचना दे दी है। पटवारी संघ के अनुसार, मध्य प्रदेश पटवारी संघ, भोपाल द्वारा 8 जुलाई 2026 को प्रदेशभर के पटवारियों की लंबित मांगों के समर्थन में आंदोलन की घोषणा की गई थी।

इसी के तहत खनियाधाना तहसील के सभी पटवारी भी सामूहिक रूप से आंदोलन में शामिल होंगे और निर्धारित अवधि तक आकस्मिक अवकाश पर रहेंगे। पटवारियों के 15 से 17 जुलाई तक अवकाश पर रहने के बाद 18 जुलाई (शनिवार) एवं 19 जुलाई (रविवार) को शासकीय अवकाश होने से लगातार पांच दिनों तक राजस्व



विभाग के कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित रहने की संभावना है।

इस दौरान नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौती नामांतरण, आय, जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्रों का सत्यापन, खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि, भू-अभिलेख संबंधी कार्यों सहित अन्य राजस्व सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले किसानों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

खनियाधाना तहसील के विभिन्न गांवों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान

एवं नागरिक राजस्व संबंधी कार्यों के लिए पटवारी कार्यालय पहुंचते हैं। ऐसे में लगातार पांच दिनों तक कार्य प्रभावित रहने से कई जरूरी प्रकरण लंबित होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन द्वारा आपातकालीन व्यवस्था किए जाने की संभावना भी बनी हुई है। पटवारी संघ ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार लिया गया है। इस संबंध में सौंपे गए ज्ञापन पर तहसील पटवारी संघ के पदाधिकारियों सहित कई पटवारियों के हस्ताक्षर भी दर्ज हैं।



968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वां पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI

विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI

विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इफ्फा पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट
लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेटी
ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन
से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्सड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।



शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मेश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

ऋतिक रोशन ने पूरी की 'जेलर 2' में कैमियो की शूटिंग

रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की अभी शूटिंग हो रही है। बताया जाता है कि बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इस फिल्म में कैमियो करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक रोशन ने फिल्म में अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्स पर ओम नाम के एक वैरिफाइड यूजर ने एक तस्वीर शेयर की है। इसमें रजनीकांत और ऋतिक रोशन एक साथ नजर आ रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार ने 'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए शानदार फिरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। यह एक दमदार कैमियो है, जिसे दर्शकों से तारीफ बटोरने के लिए डिजाइन किया गया है। उनका कैमियो फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और कहानी को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। 'जेलर 2', रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर एवशन एंटरटेनर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है।



टॉक्सिक की ट्रोलिंग पर बोलीं हुमा

यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ट बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाई कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरेशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... 'टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं।

इतनी बड़ी कास्ट बिना मजबूत कहानी के साथ नहीं आती...

उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटरों में रिलीज होगी।



कुर्सी से चिपके
रहने से हो
सकता है सूजन,
मोटापा और कैंसर!
डॉक्टरों ने बताया
ऑफिस में कैसे रखें
खुद को सक्रिय

घंटों तक कुर्सी पर बैठे रहना केवल कमर दर्द का कारण नहीं, बल्कि शरीर में सूजन, मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम भी बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक कार्यालयों में लंबे समय तक लगातार बैठकर काम करना "साइलेंट हेल्थ रिस्क" बन चुका है। डॉक्टरों के अनुसार, लगातार बैठे रहने से शरीर की ऊर्जा खपत कम हो जाती है, रक्त संचार धीमा पड़ता है और मांसपेशियां निष्क्रिय हो जाती हैं। इससे वजन बढ़ने, इंसुलिन प्रतिरोध, शरीर में सूजन और चयापचय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक निष्क्रिय रहने को कई गंभीर बीमारियों के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर 30 से 45 मिनट में कम से कम 2 से 5 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। इस दौरान थोड़ा टहलें, स्ट्रेचिंग करें या सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। फोन पर बात करते समय खड़े होकर चलना और प्रिंटर या पानी लेने के लिए पैदल जाना भी शरीर को सक्रिय रखने में मदद करता है। कार्यालय में सही मुद्रा में बैठना, कंप्यूटर स्क्रीन को आंखों के स्तर पर रखना, पैरों को जमीन पर टिकाकर बैठना और पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। यदि संभव हो तो बीच-बीच में खड़े होकर काम करने की आदत भी लाभदायक हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि दिनभर बैठकर काम करने वालों के लिए केवल सुबह या शाम का व्यायाम ही पर्याप्त नहीं है। पूरे दिन नियमित अंतराल पर शरीर को सक्रिय रखना उतना ही आवश्यक है।

मतदाता सत्यापन की दौड़ से सीएससी और इंटरनेट कैफे पर 100% तक बढ़ा काम, देर रात तक जुटे ऑपरेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एसआइआर की सरगमियां तेज हैं। हर आयु वर्ग मतदाता जरूरी दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी करने में जुटे हुए हैं। उसका सीधा असर दिल्ली के कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) और गली- मोहल्लों में चलने वाले इंटरनेट कैफे पर नजर आ रहा है, जहां संचालकों तथा उसके कर्मियों पर काम का बोझ बढ़ गया है।

दिल्ली में 7,000 सीएससी सेंटर हैं। इसके साथ ही 10 हजार से अधिक कैफे संचालक हैं। जिनके यहां एसआइआर के चलते 100 प्रतिशत तक काम में वृद्धि हुई है।

दस्तावेजों को दुरुस्त करने और समय पर आवेदन करने के लिए दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थित सीएससी और कैफे देर रात तक खुले रह रहे हैं। दिनभर काम-काज में व्यस्त रहने वाले लोग रात के समय इन सेंटरों का रुख कर रहे हैं। ऑपरेटर भी बढ़ी हुई मांग को देखते हुए अतिरिक्त घंटों तक काम कर रहे हैं, जिसके लिए लोग निर्धारित शुल्क भी चुका रहे हैं। एक सीएससी के संचालक सत्येंद्र कुमार के अनुसार, लोग देर रात तक आ रहे हैं। उन्होंने अलग से तकनीक विशेषज्ञ रखे हैं। काम में 100 प्रतिशत



तक वृद्धि हो चुकी है। सीएससी सेंटरों में सबसे महत्वपूर्ण काम पहचान और पते के सत्यापन का है। लोग सीएससी सेंटर में पहुंच कर वोटर लिस्ट में अपना नाम खोजने, उसे डाउनलोड करने और प्रिंट

निकलवाने का काम अधिक करवा रहे हैं।

इसके अलावा डिजिटल साक्षरता की कमी और तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए लोग खुद फार्म भरने के बजाय इन सेंटरों के ऑपरेटरों पर भरोसा कर रहे हैं। डिजिटल इंडिया के इस दौर में एसआइआर की इस दौड़ ने स्थानीय स्तर पर सीएससी और छोटे कैफे संचालकों का काम बढ़ा दिया है।

98 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को बंटा फार्म वैसे, एसआइआर में भौतिक सत्यापन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। चुनाव कार्यालय द्वारा सोमवार को देर शाम तक दिल्ली के कुल मतदाताओं 1,45,10,298 में से 14,30,262 मतदाताओं को एसआइआर संबंधित फार्म वितरित किए गए।

इस तरह अब तक कुल 98.57 प्रतिशत मतदाताओं को फार्म बांट दिए गए हैं। जिसमें से 17,66,553 यानी 12.17 प्रतिशत मतदाताओं का आनलाइन सत्यापन भी हो गया है।

सिर्फ पद के आधार पर अस्पताल निदेशक पर नहीं चल सकता मुकदमा, व्यक्तिगत भूमिका के साक्ष्य जरूरी: कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी अस्पताल के निदेशक को केवल उसके पद के आधार पर आपराधिक मुकदमे का सामना करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी निदेशक के खिलाफ आपराधिक दायित्व तय करने के लिए उसकी व्यक्तिगत भूमिका और उसके खिलाफ ठोस साक्ष्य होना अनिवार्य है। मामला पूर्वी दिल्ली स्थित तनेजा अस्पताल में भर्ती अल्लाह रखी नामक महिला की मौत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि महिला को जबरन अस्पताल में भर्ती किया गया और पूर्व नियोजित साजिश के तहत ऐसा इंजेक्शन लगाया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। शिकायत में अस्पताल प्रबंधन पर उपचार संबंधी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने और बिना वैध सहमति के इलाज करने के आरोप भी लगाए गए थे। इसी मामले में ट्रायल कोर्ट ने मार्च 2025 में अस्पताल से जुड़े दो कॉरपोरेट निदेशकों को गैर इरादतन हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों में तलब किया था। इसके खिलाफ दोनों निदेशकों ने कड़कड़डूमा कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। शिकायत, पुलिस जांच और उपलब्ध दस्तावेजों में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे यह प्रथम दृष्टया साबित हो कि दोनों निदेशकों की मरीज के इलाज, चिकित्सकीय निर्णय या कथित लापरवाही में कोई प्रत्यक्ष और व्यक्तिगत भूमिका थी।

गांधी की लाठी से सेंगोल तक...

पीएम संग्रहालय की 'वॉकिंग विद लेगेसी' प्रदर्शनी में सजी विरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। ये महज लकड़ी की छड़ियां नहीं हैं जनाब... बल्कि विरासत और हस्तशिल्प की उत्कृष्ट गाथा है। यह अद्भुत और विशिष्ट लकड़ी के डंडे इतिहास बदलने वालों के हाथ में सुशोभित रहे। उनके सफर का सहारा रहे तो उनके व्यक्तित्व की मुकम्मल पहचान भी बने। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की लाठी से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर थामे गए सेंगोल तक, एक ऐसी विरासत, जो सादगी के साथ भव्यता तथा उत्कृष्ट व दुर्लभ कारीगरी की अद्भुत यात्रा करती है। चाणक्यपुरी स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय के ब्लाक-एक स्थित परिचय गैलरी में इन दिनों विशेष प्रदर्शनी 'वॉकिंग विद लेगेसी' (विरासत के साथ कदम) की शुरुआत हुई है, जो आम दर्शकों के लिए 24 जुलाई तक खुली रहेगी। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नूपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संग्रहालय की मुख्य

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डा. प्रियंका मिश्रा भी मौजूद रही। इस प्रदर्शनी में संग्रहालय के तोशाखाने से चुनी गई ऐतिहासिक 31 छड़ियों और बेटन को प्रदर्शित किया गया है, जो पहचान और शासन का प्रतीक है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा समय-समय पर इस्तेमाल की गई थी या उन्हें उपहार स्वरूप भेंट किया गया था। उसमें स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन से भारतीयों को सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में उन्हें सौंपा गया था। दक्षिण भारत के चोल साम्राज्य से जुड़ी हुई यह समृद्ध परंपरा नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री तक आया और उसे उन्होंने नए संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर थामा। इसी तरह, आरक्षित संग्रह से संविधान निर्माता भीम राव आंबेडकर, पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों व राजनेताओं के हाथ की शोभा रही छड़ियों को प्रदर्शित किया गया है।

अंकित शर्मा हत्याकांड: अदालत के लिए आसान नहीं था फैसला

सबूतों की पड़ताल को घटनास्थल तक पहुंची थी कोर्ट



नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगे के दौरान आइबी कर्मी की हत्या की गई थी। यहां अदालत के सामने ही दोनों पक्षों की मौजूदगी में सीन-रीक्रिएशन किया गया, ताकि बचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष के दावों की हकीकत को धरातल पर जांचा जा सके। कानून के जानकारों की मानें तो न्याय प्रक्रिया के इतिहास में शायद यह पहली घटना है,

जहां आइबी कर्मी की हत्या की गई थी। यहां अदालत के सामने ही दोनों पक्षों की मौजूदगी में सीन-रीक्रिएशन किया गया, ताकि बचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष के दावों की हकीकत को धरातल पर जांचा जा सके। कानून के जानकारों की मानें तो न्याय प्रक्रिया के इतिहास में शायद यह पहली घटना है,

जिसमें सबूतों और गवाहों की सच्चाई जानने के लिए कोर्ट खुद घटनास्थल पर पहुंची।

विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडेय ने विशेष बातचीत में बताया कि केस की सुनवाई के दौरान कई मोड़ आए। पहला मोड़ तब आया जब अंकित के पिता रविंदर शर्मा ने कोर्ट में कहा कि एफआइआर पर किए गए हस्ताक्षर उनके नहीं हैं।

वह हिंदी में हस्ताक्षर करते हैं, जबकि एफआइआर में अंग्रेजी में हस्ताक्षर हैं। अंकित के पिता के बयान को बचाव पक्ष ने उनके खिलाफ ही प्रयोग किया। हालांकि, उन्हें इसका ज्यादा लाभ नहीं मिला।

उन्होंने बताया कि अदालत के सामने असमंजस की स्थिति तब पैदा हुई, जब गवाही के दौरान बचाव पक्ष ने संदेह पैदा करने का काम किया। बचाव पक्ष ने कहा कि चांदबाग पुलिस स्टेशन से काफी ऊंची है, ऐसे में गवाह जहां खड़े थे। वहां से ताहिर व अन्य आरोपितों को देख ही नहीं सकते।

अब आधुनिक तकनीक के साथ नए युग में प्रवेश कर रही है

आचार्य सुश्रुत से रोबोटिक सर्जरी तक: आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा का नया अध्याय, दुनिया में बढ़ी भारत की पहचान



नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व में शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले आचार्य सुश्रुत की 2,500 वर्ष पुरानी विरासत अब आधुनिक तकनीक के साथ नए युग में प्रवेश कर रही है। आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा अब केवल पारंपरिक शस्त्रकर्म तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि रोबोटिक, लैप्रोस्कोपिक,

माइक्रोवैस्कुलर और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश से उपचार की नई दिशा तय कर रही है।

प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का यह संगम न केवल मरीजों के लिए अधिक सटीक, सुरक्षित और समग्र उपचार का मार्ग खोल रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर

भारतीय आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा की स्वीकार्यता को भी तेजी से बढ़ा रहा है।

आचार्य सुश्रुत ने सुश्रुत संहिता में अष्टविध शस्त्रकर्म, व्रण प्रबंधन, अग्निकर्म, क्षारकर्म, रक्तमोक्षण और मर्म चिकित्सा का विस्तृत वैज्ञानिक वर्णन किया था। नाक के पुनर्निर्माण (राइनोप्लास्टी) की उनकी तकनीक को आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी की आधारशिला माना जाता है।

यही कारण है कि विश्व चिकित्सा जगत आज भी आचार्य सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का जनक स्वीकार करता है। इन्हीं सिद्धांतों को आधुनिक सर्जिकल तकनीकों के साथ जोड़कर आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। इस एकीकृत मॉडल के तहत डायबिटिक अल्सर और जटिल घावों के उपचार में आयुर्वेदिक व्रण चिकित्सा के साथ आधुनिक ड्रेसिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

इलाज की गुणवत्ता में होगा सुधार

फिस्टुला और बवासीर जैसी बीमारियों में क्षारसूत्र पद्धति के बेहतर परिणाम पहले से स्थापित हैं। अग्निकर्म और मर्म चिकित्सा को पुराने दर्द एवं मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं में आधुनिक उपचार के साथ अपनाया जा रहा है।

रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में सुश्रुत की फ्लैप तकनीकों को आधुनिक माइक्रोसर्जरी से जोड़ा जा रहा है, जबकि लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक तकनीकों के साथ आयुर्वेदिक प्री एवं पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल के समन्वय पर भी तेजी से काम हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे मरीजों की रिकवरी बेहतर होने और उपचार की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार की संभावना है।

राष्ट्रपति आज करेंगी 'सौश्रुतम्-2026' का शुभारंभ

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआइआइए) में 15 से 17 जुलाई तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'सौश्रुतम्-2026' का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। सम्मेलन में आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, दिल्ली के उपराज्यपाल, भारत सहित थाईलैंड, इजराइल, ब्रिटेन, श्रीलंका समेत कई देशों के शल्य विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसमें रोबोटिक सर्जरी का लाइव प्रदर्शन, वैज्ञानिक सत्र, शोध पत्र प्रस्तुतियां और पैनल चर्चाएं होंगी।